Shiv Shakti International Journal of Multidisciplinary and Academic Research
ISSN: 2278-5973 (Online) | Vol. 13, No. 4, (July 2025)
https://doi.org/10.5281/zenodo.17288561

युवाओं को कविता से प्रेम करने के लिए प्रेरित करना

डॉ. सुभाष गौतम
मुक्त शिक्षा विद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

कविता से गहरा प्रेम करने वाले एक किशोर लड़के/लड़की के रूप में, मैं अक्सर खुद को एकांत में पाता हूँ। जब मेरे दोस्त नई फिल्मों, संगीत या टिकटॉक ट्रेंड्स के बारे में बातें करते हैं, तो मैं कविता और लेखन की बात करता हूँ। दुर्भाग्य से, ये बातचीत अक्सर खाली निगाहों या विषय परिवर्तन के साथ समाप्त होती है। यह निराशाजनक और निराशाजनक है कि कविता, जो अभिव्यक्ति का एक ऐसा रूप है जो मेरे दिल के इतने करीब है, एक गुप्त भाषा की तरह लगती है जिसे बहुत कम लोग समझते या सराहते हैं।

जब मुझे कविता के बारे में बात करने का मौका मिलता है, तो अक्सर बड़े लोगों - शिक्षकों, पुस्तकालयाध्यक्षों, या पारिवारिक मित्रों के साथ। हालाँकि उनकी अंतर्दृष्टि और प्रोत्साहन अमूल्य है, यह मुझे सोचने पर मजबूर करता है: ***ज़्यादा युवा कविता में रुचि क्यों नहीं लेते? हम इसे कैसे बदल सकते हैं?***

कई किशोरों को कविता क्यों पुरानी लगती है

आज के युवाओं को कविताएँ पुराने ज़माने की या अप्रासंगिक लग सकती हैं। स्कूलों में इसे जिस तरह पढ़ाया जाता है, वह भी मददगार नहीं है; **शेक्सपियर** या **एमिली डिकिंसन** जैसे **क्लासिक कवि**, भले ही शानदार हों, दूर और असंबंधित लग सकते हैं। एक गलत धारणा है कि कविता केवल बूढ़े, मृत श्वेत पुरुषों के बारे में होती है। आधुनिक कविता, विविध स्वर और समसामयिक मुद्दों से जुड़ी कविताएँ कक्षाओं में कम ही पढ़ाई जाती हैं, जिससे छात्रों के लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि कविता उनके अपने जीवन और अनुभवों को कैसे प्रतिबिंबित कर सकती है।

स्कूलों की भूमिका

स्कूल हमारी रुचियों और जुनून को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दुर्भाग्य से, कई स्कूल अपने पाठ्यक्रम में कविता को प्राथमिकता नहीं देते। जब वे ऐसा करते हैं, तो अक्सर एक कठोर और विश्लेषणात्मक तरीके से, जो अनुभव से आनंद और रचनात्मकता को छीन लेता है। छात्रों को प्रेरित करने के बजाय, यह कविता को एक बोझिल काम जैसा बना सकता है।

रुचि जगाने के उपाय

स्कूलों को अपने कविता पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाना चाहिए ताकि उनमें आज के युवाओं से जुड़े विषयों पर लिखने वाले समकालीन कवियों को शामिल किया जा सके। **रूपी कौर**, **अमांडा गोर्मन** और **ओशन वुओंग** जैसी लेखिकाएँ ऐसी भाषा और बिंबों का प्रयोग करती हैं जो युवाओं के साथ जुड़ती हैं। इन आवाज़ों से परिचय कराने से छात्रों को पढ़ी जाने वाली कविताओं में खुद को देखने में मदद मिल सकती है।

Corresponding Author: Dr. Subhash Gautam, gautamsubhash74@gmail.com

स्कूल कविता कार्यशालाएँ और क्लब आयोजित कर सकते हैं जहाँ छात्र एक सहज और सहयोगी माहौल में कविताएँ लिख सकते हैं, साझा कर सकते हैं और उन पर चर्चा कर सकते हैं। इन सत्रों में केवल तकनीकी विश्लेषण के बजाय रचनात्मकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। स्थानीय कवियों को इन कार्यशालाओं का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करने से प्रेरणा और कला के वास्तविक दुनिया से जुड़ाव भी मिल सकता है।

स्कूलों में कविता स्लैम और ओपन माइक कार्यक्रमों का आयोजन कविता को मज़ेदार और संवादात्मक बना सकता है। ये कार्यक्रम छात्रों को अपनी रचनाएँ प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे सामुदायिक भावना और साझा जुनून को बढ़ावा मिलता है। कविता स्लैम का प्रतिस्पर्धी लेकिन सहयोगी स्वभाव किशोरों को विशेष रूप से आकर्षित कर सकता है।

चूँकि युवा लोग ऑनलाइन काफ़ी समय बिताते हैं, इसलिए कविता को तकनीक के साथ जोड़ना बेहद कारगर हो सकता है। छात्रों को अपनी कविताएँ सोशल मीडिया पर साझा करने, कविता ब्लॉग बनाने या ऑनलाइन कविता चुनौतियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने से कविता ज़्यादा सुलभ और आधुनिक लग सकती है।

कविता को अन्य विषयों के साथ जोड़ने से भी रुचि पैदा हो सकती है। **उदाहरण के लिए**, कविता को संगीत, कला या इतिहास से जोड़ने से छात्रों को काव्यात्मक अभिव्यक्ति के व्यापक प्रभाव और प्रासंगिकता का पता चल सकता है। ऐसी परियोजनाएँ जो छात्रों को कविताओं से प्रेरित मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ या दृश्य कला बनाने की अनुमति देती हैं, सीखने के अनुभव को और अधिक आकर्षक बना सकती हैं।

अंत में, एक ऐसा कक्षा वातावरण बनाना ज़रूरी है जो व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और भावनात्मक ईमानदारी को महत्व देता हो। छात्रों को बिना किसी निर्णय के डर के कविता के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को प्रकट करने में सुरक्षित महसूस करना चाहिए। शिक्षक अपनी रचनाएँ साझा करके और रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में खुलकर बात करके इसका उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

मेरा अनुभव और उम्मीदें

एक किशोर कवि होने के नाते, मैं जानता हूँ कि कविता कितनी परिवर्तनकारी और सशक्त हो सकती है। इसने मुझे एक आवाज़ दी है, अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक ज़रिया दिया है, और विचारों व अनुभवों की एक बड़ी दुनिया से जुड़ाव दिया है। काश मेरे दोस्त भी इसका अनुभव कर पाते।

कविता सिखाने और अनुभव करने के तरीके को आधुनिक बनाकर, हम युवाओं को दिखा सकते हैं कि कविता सिर्फ़ एक प्राचीन कला नहीं है, बल्कि खुद को अभिव्यक्त करने और दूसरों से जुड़ने का एक जीवंत और जीवंत ज़रिया है। अब समय आ गया है कि हम अपने स्कूलों और अपने जीवन में कविता को वह ध्यान दें जिसकी वह हक़दार है।

कविता में युवाओं के जीवन को गहन रूप से समृद्ध करने की क्षमता है। एक किशोर कवि होने के नाते, मैंने इसका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से देखा है। कविता सिखाने के अपने तरीके को नया रूप देकर, रचनात्मक अभिव्यक्ति के ज़्यादा अवसर पैदा करके, और कविता को सुलभ और प्रासंगिक बनाकर, हम नई पीढ़ी को इस कालातीत कला से प्रेम करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। आइए कविता को अँधेरे से बाहर निकालकर दुनिया भर के युवाओं के दिलों और दिमागों में लाएँ।

आइए कविता को फिर से लोकप्रिय बनाएँ - क्योंकि यह है। हमें बस उस जादू को हर किसी के साथ साझा करने की जरूरत है।